मैं हूँ शरण में तेरी | By Harsh NIvaan

सारे जग से हार कर मैं तेरी शरण में आया
मैं हूँ शरण में तेरी तू देदे अब सहारा

किस्मत का मारा हूँ सांवरे
भक्त से हारा हूँ सांवरे
अच्छा किया या बुरा किया
हासिल हुआ ना कुछ सांवरे
मझधार में फंसा हूँ
दिखला मुझे किनारा

आंसू नहीं ये मेरा दर्द है
मैंने सुना तू हमदर्द है
मैं भी तो बालक तेरा ही हूँ
मेरा दर्द भी तो तेरा दर्द है
तू भी नहीं सुनेगा
तो बता कौन है हमारा

दिल की सुना दी मैंने तुझे
किरपा दो अपनी बाबा मुझे
ऐसी महर अब करदो प्रभु
हर्ष निवान भूले ना तुझे
मेरी अर्ज़ी तेरी मर्ज़ी
तेरे चरणों में सर हमारा
सारे जग से .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%b9%e0%a5%82%e0%a4%81-%e0%a4%b6%e0%a4%b0%e0%a4%a3-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-harsh-nivaan/